मूल्य 1 रु.
वर्ष: 10 - अंक : 199, मुंबई, शुक्रवार, 16 अक्टूबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

सैंडलवुड ड्रग रैकेट केस

विवेक ओबेरॉय के घर पर छापेमारी

बेंगलुरु पुलिस को विवेक ओबेरॉय के फरार साले की तलाश, फिल्म एक्टर्स को ड्रग्स सप्लाई करने का है आरोप

संवाददाता / मुंबई। अभिनेता विवेक ओबरॉय के मुंबई के जुहू स्थित घर पर बेंगलुरु पुलिस ने गुरुवार को छापेमारी की। दोपहर एक बजे बेंगलुरु पुलिस के दो इंस्पेक्टर अभिनेता के घर पहुंचे और उनकी पत्नी से पूछताछ की। पुलिस सैंडलवुड ड्रग रैकेट केस में एक्टर के साले आदित्य अल्वा की तलाश कर रही है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

'मुंबई से बॉलीवुड को खत्म किया तो बर्दाश्त नहीं करेंगे'

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि अगर मुंबई से बॉलीवुड को खत्म करने या शिफ्ट करने के लिए जिस तरह से प्रयास किए जा रहे हैं, उसे हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। मुंबई की महत्ता के बारे में बताते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा, मुंबई न केवल भारत की वित्तीय राजधानी है, बल्कि यह सांस्कृतिक राजधानी भी है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

नहीं रहीं 'गांधी' की कॉस्ट्यूम डिजाइनर

देश के लिए पहला ऑस्कर जीतने वालीं...

भानु अथैया का 91 की उम्र में निधन

संवाददाता

मुंबई। 1983 में डायरेक्टर रिचर्ड एटनबरो की फिल्म 'गांधी' के लिए ऑस्कर में बेस्ट कॉस्ट्यूम डिजाइनर अवार्ड जीतने वाली भानु अथैया का गुरुवार को निधन हो गया। वे 91 साल की थीं। भानु ने कॉस्ट्यूम डिजाइनर के तौर पर 100 से ज्यादा बॉलीवुड फिल्मों में काम किया था। भानु का अंतिम संस्कार साउथ मुंबई के चंदनवाड़ी श्मशान घाट में हुआ। रिचर्ड एटनबरो की फिल्म गांधी के लिए जॉन मोलो के साथ संयुक्त रूप से ऑस्कर मिला था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

अवॉर्ड स्टेच्यू सेफ रहे इसलिए 8 साल पहले लौटा दिया था

8 साल पहले हुआ था ट्यूमर

भानु की बेटी ने बताया कि उन्होंने गुरुवार सुबह आखिरी सांस ली। 8 साल पहले उन्हें ब्रेन ट्यूमर डाइग्नोस हुआ था। पिछले 3 साल से वे बिस्तर पर ही थीं। भानु के शरीर का एक हिस्सा पैरालाइज हो गया था। भानु का जन्म कोल्हापुर में हुआ था और उन्हें कॅरियर का पहला काम गुरु दत के साथ 1956 में सीआईडी फिल्म के जरिए मिला था। जबकि आखिरी बार आमिर की फिल्म लगान और शाहरुख की फिल्म स्वदेस के लिए कॉस्ट्यूम डिजाइन किए थे।

मुंबई में 2.40 करोड़ रुपये की

हेरोइन जब्त

मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। मध्य मुंबई के धारावी में पुलिस ने एक कथित मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है और उसके पास से 2.40 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त की है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि मुंबई अपराध शाखा के स्वापक निरोधक प्रकोष्ठ (एएनसी) ने 47 वर्षीय मंजर दीन मोहम्मद शेख को बुधवार शाम गिरफ्तार किया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

हमारी बात

विकास की प्रेरणा

भारत में विकास की रफ्तार अपेक्षा के अनुरूप नहीं रही, जिसका नतीजा है, दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में विगत वर्षों से मजबूती से उभर रहा बांग्लादेश अब प्रति व्यक्ति आय में हमसे आगे हो जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा लगाया गया यह अनुमान जितनी बड़ी खुशखबरी है, उतनी ही बड़ी प्रेरणा भी। आईएमएफ की 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट' के अनुसार, मंगलवार को जारी भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 31 मार्च, 2021 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में 1,877 डॉलर होने की संभावना है, जबकि बांग्लादेश में प्रति व्यक्ति जीडीपी के बढ़कर 1,888 डॉलर हो जाने की उम्मीद है। बांग्लादेश के विकास को अलग से रेखांकित करने की जरूरत है। एक देश जो संघर्ष, सूखा, बाढ़, गरीबी और जातीय हिंसा से होकर निकला है, वह अब पटरी पर है। एक समय था, जब बांग्लादेश से लोग मजबूर होकर पलायन करते थे, लेकिन अब समय है, जब विदेश से लोग बांग्लादेश नौकरी या उद्योग-धंधे के लिए जाने लगे हैं। विशेष रूप से अपनी आर्थिक मजबूती और संसाधनों का बांग्लादेश ने भरपूर उपयोग किया है, नतीजा सामने है। कैसे एक देश दुनिया के साथ मिलकर, सबसे सहयोग लेकर आगे बढ़ सकता है, दक्षिण एशिया के देश यह बांग्लादेश से सीख सकते हैं। अपने विकास में सतत लगा हुआ एक पड़ोसी भारत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। वह दक्षिण एशिया में आकर्षण का नया केंद्र है। भारत को न सिर्फ पड़ोसी बांग्लादेश की हरसंभव मदद करनी चाहिए, बल्कि सीखना भी चाहिए। भारत एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और उसका विकास सबके लिए जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का अनुमान है, वित्त वर्ष 2020 में भारत की विकास दर माइनस 10.3 रहेगी, पर 2021 में भारत 8.8 प्रतिशत की विकास दर के साथ वापसी करेगा। कोरोना की वजह से आशंका जताई जा रही थी कि भारतीय अर्थव्यवस्था को उबरने में दो-तीन साल लग जाएंगे, मगर भारत में जल्दी ही सकारात्मक दर की वापसी हो रही है। वैसे विकास की ऐसी वापसी से अभिभूत होने की भी जरूरत नहीं है। कोशिश यह करनी चाहिए कि कोरोना से हुई क्षति की भरपाई हम एक ही वर्ष में कर लें। 8.8 प्रतिशत की विकास दर मामूली नहीं होती, इसके साथ भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में एक हो जाएगा। हालांकि, अभी भी बहुत कुछ ऐसा है, जो हम कर सकते हैं, ताकि अर्थव्यवस्था जल्द से जल्द पटरी पर लौट आए। जिन आर्थिक मोर्चों पर भारत को नुकसान हो रहा है, वहां प्राथमिकता से ध्यान देने की जरूरत है। वित्तीय नीति, मौद्रिक नीति के साथ ही मूलभूत ढांचे पर ध्यान देने के लिए खुद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने इशारा किया है। जिस तरह से बांग्लादेश ने अपने यहां व्यापार को आसान बनाया है, ठीक उसी तरह से भारत को भी अपनी कोशिशों में कोई कमी नहीं छोड़नी चाहिए। दुनिया की ज्यादातर अर्थव्यवस्थाएं संकट में हैं, पर भारत से उम्मीदें ज्यादा हैं। अगले साल चीन की अनुमानित विकास दर 8.2 प्रतिशत से अधिक रहेगी, पर उससे ज्यादा विकास दर भारत की रहेगी। ये आंकडे.दर्शा रहे हैं कि हमें मौके का पूरा लाभ उठाना होगा और इसके लिए यह भी मानना होगा कि अभी भारत में मंदी के विरल हालात हैं। कमियों को स्वीकार करने के बाद ही हमारी बढ़त की सच्ची शुरूआत होगी।

मानसिक समस्या को गंभीरता से लेने की जरूरत

एक माह पहले विश्व आत्महत्या निरोधक दिवस और हाल में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर बार की तरह आए और चले गए। इनसे बेखबर कई शहरों में सड़क के किनारे सामान बेचने वाले लोग हैं जो तमाम दुश्वारियों के बीच जिंदगी को ही चुनते हैं। कहते हैं- कभी हौसला नहीं छोड़ेंगे। काश उनके शब्द वैश्विक स्तर पर सुने जा सकते। इधर, हिमाचल प्रदेश में सूरज पूर्ववत उदय हो रहा है और अस्त भी। हर क्रिया वैसे ही जारी है, लेकिन इस इस धरती ने सफल जीवन की परिभाषा के रूप में जीते आए एक आदमी को हमसे छीन लिया। नाम है अश्वनी कुमार और परिचय यह है कि साधारण पृष्ठभूमि से उठकर भारतीय पुलिस सेवा में आए। हिमाचल प्रदेश के पुलिस महानिदेशक और फिर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के निदेशक। उसके बाद नगालैंड और मणिपुर के राज्यपाल। चूंकि ऐसे व्यक्ति के जीवन में सेवानिवृत्ति का कोई अर्थ नहीं होता, इसलिए एक निजी विश्वविद्यालय में कुलपति भी रहे। ऐसे बेशकीमती व्यक्तित्व को मौत ने आत्महत्या बन कर हमसे छीन लिया। अगर भौतिक प्राप्ति और उपलब्धि ही सब कुछ है तो कमी क्या थी? शालीन, विनम्र और संवेदना से लबरेज इंसान का यूं स्वयं ही पर्दा गिराना समझ में नहीं आता।

कुछ दिन हवा में उदाहरण गूंजे। एक पुलिस अफसर जगजीत सिंह और राष्ट्रीय स्तर पर कुछ बड़े लोगों की

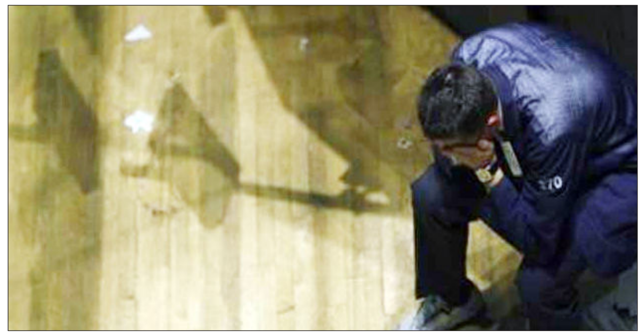

आत्महत्या के। विश्व स्वास्थ्य संगठन आत्महत्या को रोग बताता है। ऐसा रोग जिससे बचाव संभव है। सवाल है, बचाए कौन? जहां हर तरफ हर जगह बेशुमार होने के बावजूद आदमी तनहाइयों का शिकार हो, वहां कौन किसे बचाए? इसे रोग इसलिए बताते हैं, क्योंकि विश्व में एक साल में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या करते हैं। हर 40 सेकेंड के बाद एक आत्महत्या होती है। 2016 में तो मलेरिया, स्तन कैंसर या किसी युद्ध ने भी इतनी जान नहीं ली, जितनी आत्महत्या ने ली। आत्महत्या के संदर्भ में दक्षिण पूर्वी एशिया में भारत पहले स्थान पर है। दूसरे पर श्रीलंका है, तीसरे पर थाइलैंड। महिला आत्महत्या के संदर्भ में भारत तीसरा सबसे बड़ा देश है। सवाल यह है कि क्या कोई राष्ट्रीय हेल्पलाइन है? संभवतः नहीं। कुछ गैर सरकारी हेल्पलाइन नंबर हैं जहां प्रशिक्षित लोग नहीं हैं। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि भारत में हादसों के बाद अगर सर्वाधिक अप्राकृतिक मौतें जिस कारण से होती हैं उसे आत्महत्या कहते हैं। महामारी के दौर में हिमाचल प्रदेश ने भी आत्महत्या के आंकड़ों में बड़ा उछाल देखा है। अच्छा पक्ष यह है कि पुलिस महानिदेशक संजय कुंडू ने केवल आंकड़े ही नहीं जारी करवाए, अपितु एक सर्वेक्षण भी करवाया कि किस आयु वर्ग के लोग किन हालात में आत्महत्या करते हैं। कोरोना काल में आत्महत्याओं के मामले और साप्ताहिक औसत उससे पहले के काल की तुलना में बढ़े हैं। पारिवारिक झगड़े, गड़बड़ वैवाहिक जीवन बड़े कारण हैं। यकीनन बेरोजगारी, प्रेम प्रसंग, नशा और बीमारी आदि भी कारक हैं। बीते दिनों फोर्टिस अस्पताल के नामी चिकित्सक केदार तिल्वे ने अंग्रेजी में चार अक्षरों का एक शब्द दिया है जिसे वेट कहते हैं। भाव यह है कि प्रतीक्षा करें, रुकें। पहले अक्षर का अर्थ है अपने भीतर तनाव के कारणों और व्यवहार में आ रहे परिवर्तन को पहचानें। दूसरा, आत्मघाती लक्षण होने पर बात करें। तीसरा यह कि हर दौर बीत जाता है, यह भी बीत जाएगा। यह समझना और समझाना होगा। चौथा यह कि लोगों के साथ बात करें। लाख कोसे जाने के बावजूद आभासी माध्यम इसीलिए मददगार साबित हो सकते हैं और हुए भी हैं। अगर ऊर्जा को ठीक प्रवाह देना आ जाए, जिंदगी के साथ राजी होना आ जाए तो आत्महत्या का विचार इतना शक्तिशाली हो ही नहीं सकता कि जीवन जैसी सुंदर कृति को नष्ट कर दे। इसकी शुरूआत घरों से ही होनी चाहिए। संवादहीनता की दीवारें कब रिश्तों के आंगन में दीवार खड़ी कर दें, इस पर तो हमारी नजर रहनी ही चाहिए। परीक्षा परिणाम जीवन-मरण का प्रश्न क्यों हो? सफलता के पैमाने भौतिक उपलब्धि रहेंगे तो जीवन की मुस्कराहट के साथ शर्तें भी नत्थी हो जाएंगी। दुर्भाग्यवश सच को स्वीकार करने की बजाय उससे भयभीत होना सिखाया जा रहा है। जीत का प्रबंधन सीखना उतना ही आवश्यक है जितना पराजय का प्रबंधन सीखना अनिवार्य है। जरूरी यह है कि हर व्यक्ति आत्महत्या के विरुद्ध चेतना का दूत बने। जाहिर है, अच्छी शुरूआत अपने आसपास से ही होती है। लेकिन आभासी माध्यम से पास होना और बात है। प्रत्यक्ष संवाद भी उतना ही आवश्यक है, पर सामाजिक सोच में अब देर का तत्व शामिल हो गया है।

चालबाज चीन की विस्तारवाद की मंशा जगजाहिर

चीन की ओर से नेपाल भले ही बीते दिनों काफी हद तक आश्वस्त नजर आ रहा था और उसका पूरा फोकस भारतीय सीमा पर लगा हुआ था, लेकिन चीन की विस्तारवाद की मंशा को नेपाल के नेतृत्व ने समय रहते भांप लिया और हाल ही में उस अनुरूप कदम उठाने का निर्णय भी लिया है। दरअसल चीन एक ओर विवादित नक्शे के मसले पर नेपाल को भारत से उलझा रहा था, वहीं दूसरी तरफ नेपाल में चीन अपने नापाक मंसूबों को कामयाब भी कर रहा था। इसकी पहली निशानी विश्व प्रसिद्ध एवरेस्ट पर देखी गई। एवरेस्ट को जबरिया अपना हिस्सा बताने के बाद चीन की दूसरी चहलकदमी नेपाल के उत्तर पश्चिम के सुदूरवर्ती जिले गोरखा में भी देखी गई। चीन के खूनी पंजों की निशानी जाहिर करती तीसरी महत्वपूर्ण घटना हुमला जिले के लिमि उपकात्या से जुड़ा हालिया विवाद है। चीनी विश्वासघात की गवाही दे रही ये घटनाएं अपने आप में एक सिलसिला है। यह सब चीन की विस्तारवादी रणनीति पर आधारित है। यह पूरी तरह से धूल झोंको और विस्तार करो की रणनीति है। वर्ष 1961 में नेपाल के राजा महेंद्र के

चीनी दौरे के वक्त चीन के राजनेता माओ और राजा महेंद्र के बीच सीमा को लेकर आपसी सहमति बनी थी। इस आधार पर सीमाई क्षेत्रों से जहां एक ओर भारतीय सैनिकों की वापसी हुई थी, वहीं कई स्थानों की पहचान कर पिलर खड़े किए गए थे। वर्ष 1989 में पता चला कि उनमें से कई खंभे गायब हो गए हैं। यह क्षेत्र ऊंचे ऊंचे पर्वत मालाओं से घिरा है, जहां उन दिनों दूर दूर तक किसी तरह का निर्माण कार्य नहीं हुआ था। बाद के वर्षों में चीन ने खंभों के गायब होने को आधार बनाकर इमारतों का निर्माण शुरू किया और आज जो यहां चीन की सेना द्वारा निर्मित दर्जन भर ढांचा खड़ा किया हुआ दिख रहा है, उसका निर्माण चीन के राष्ट्राध्यक्ष शी चिनफिंग के नेपाल दौरे के बाद हुआ है। हाल की घटना के बाद काठमांडू में बैठे नेपाली प्रबुद्ध जनों के एक तबके ने सरकार की चोरी को सामने लाते हुए सीमा पर कई खंभों का ब्यौरा जारी कर यहां का जीपीएस डाटा मांगा है। दरअसल आधुनिक तकनीक के युग में किसी भी स्थान का अक्षांश, देशांतर और ऊंचाई के आधार पर वहां से संबंधित अनेक जानकारियों को सटीक तौर पर हासिल किया जा सकता है। अभी तक नेपाल में चीन विरोधी प्रदर्शन छिटपुट और बिखरा हुआ था। किंतु पहली बार मुख्य विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस के छात्र संगठन नेपाली विद्यार्थी संघ के कूदने और राष्ट्रीय एकता अभियान जैसे कई सारे अप्रचलित छोटे और नए संगठनों द्वारा देशभर में प्रदर्शनों द्वारा चीन के वास्तविक एजेंडे से नेपाली जनमानस को जगा दिया गया है। स्थानीय समाज में चीन को लेकर बढ़ रही आशंका और वर्तमान की चीन समर्थक सरकार की मंशा पर उठे सवाल और आक्रोश के बाद से चीन द्वारा नेपाल में बनाए जाने वाले रेल की चर्चा आजकल सुर्खियों में है। वैसे तो नेपाल में रेल कोई नई बात नहीं है। औपनिवेशिक शासन के दौर में ही नेपाल में रेल आ चुकी थी।

सभी महिलाओं को लोकल ट्रेन में सफर करने की छूट देने पर किया जा रहा है विचार

मुंबई। पश्चिम रेलवे में 15 अक्टूबर से कुल 700 लोकल ट्रेनें चलेंगी और मध्य रेलवे भी अपनी वर्तमान सेवा बढ़ाने पर विचार कर रही है। इसके बाद सवाल उठ रहा है कि इन लोकल ट्रेनों में क्या अत्यावश्यक सेवाओं के बाहर के लोगों को भी सफर करने की इजाजत होगी। एक भरोसेमंद सूत्र ने बुधवार को बताया कि सरकार को इस बात का एक प्रस्ताव दिया गया है कि नॉन पीक ऑवर्स में सभी महिलाओं को लोकल सेवा में सफर की छूट दी जा सकती है। इस सूत्र ने यह भी साफ किया कि अभी यह सिर्फ प्रस्ताव है, इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है। सूत्र के अनुसार, पुरुषों के मामले में अत्यावश्यक

और गैर अत्यावश्यक सेवाओं के पहचान पत्र की शिनाख्त करना बहुत आसान नहीं है, लेकिन महिलाओं को लेकर ऐसी कोई समस्या भी नहीं है। फिर महिलाएं पुरुषों के कोच में भी सफर कर सकती हैं। वैसे रेलवे ने सिर्फ महिलाओं के लिए ही कुछ लोकल ट्रेनें फिर शुरू कर दी हैं। सूत्र के मुताबिक, जहां पर वर्क फ्रॉम होम कल्चर संभव है, बहुत सी कंपनियां शायद अभी कुछ और महीनों तक इस परंपरा को अपनाए या खुद सरकार उनसे ऐसा करने को कहे। इस वजह से यह तो तय है कि लोकल ट्रेनों में अब मार्च के लॉकडाउन से पहले जितनी पुरुषों और महिलाओं, दोनों की भीड़ नहीं रहेगी।

इस प्रस्ताव पर किया गया विचार: जिन कंपनियों में ऑफिस में जाकर ही काम करना जरूरी हो, यदि ये कंपनियां नॉन पीक ऑवर्स में अपने कर्मचारियों को बुलाएंगी, तो महिलाएं लोकल ट्रेनों में भीड़ से काफी हद तक बच जाएंगी। कुछ दिनों पहले इस प्रस्ताव पर भी विचार हो चुका है कि यात्रियों को ऑड इवन की तर्ज पर टी1 और टी2 रेलवे पास दिए जाएं। फिलहाल इस प्रस्ताव को हरी झंडी नहीं मिली है।

पाबंदियों से मुक्त हुए वसई-विरार के बाजार

वसई। कोरोना वायरस को लेकर वसई-विरार में लगाई गई सारी पाबंदियां हटा दी गई हैं। वसई-विरार में होटल बार, दुकान, रेसॉर्ट व अन्य प्रतिष्ठानों को अब सुबह 8 से रात 11.30 बजे तक चलाने की परमिशन दे दी गई है। बुधवार को मनपा आयुक्त के आदेश के बाद इसे लागू कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, वसई-विरार क्षेत्र में अनलॉक में दुकानें खुलने के बाद से ही दुकानदार और होटल वाले अपने काम-काज का समय बढ़ाने की मांग कर रहे थे। क्षेत्र में होटल, बार-रेस्टोरेंट व रेसॉर्ट को सुबह 8 से रात 10 बजे तक खुले रहने की परमिशन दी गई थी। वहीं, दुकानों को सुबह 9 से शाम 7 बजे तक ही खुली रहने की इजाजत दी गई थी। इससे व्यापारियों

को नुकसान उठाना पड़ रहा था। व्यापारियों की मांग और समस्याओं को देखते हुए मनपा ने सभी पाबंदियां हटा दी हैं। हालांकि सोशल डिस्टेंसिंग और कोरोना के बचाव को लेकर जारी जरूरी गाइडलाइंस की सख्ती से पालन करने का आदेश दिया गया है। मनपा प्रशासन ने सब कुछ ठीक और सामान्य रहने की उम्मीद जताई है। साथ ही लोगों से सतर्कता और सहयोग की अपील की है। इधर, बाजार सामान्य किए जाने के निर्णय का व्यापारियों ने स्वागत किया है। व्यापारी की बढ़ती मांग को लेकर मनपा आयुक्त ने बुधवार से सब कुछ पहले जैसा सामान्य कर दिया है, लेकिन गाइड लाइन के हिसाब से व्यापारियों को कोरोना वायरस को ध्यान में रखकर काम करना होगा।

पंढरपुर में दीवार गिरने से छह लोगों की मौत

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने दिये जांच के आदेश

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने पंढरपुर कस्बे में दीवार गिरने से हुई छह लोगों की मौत की घटना के बृहस्पतिवार को जांच के आदेश दिये। उन्होंने घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने का भी निर्देश दिया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, पवार ने कोंकण, पश्चिमी और मध्य महाराष्ट्र, दक्षिण मराठवाड़ा और विदर्भ क्षेत्र में मौके का मुआयना कर भारी बारिश से फसलों और मकानों को हुई क्षति का आकलन करने को कहा है। सोलापुर जिले के पंढरपुर कस्बे में भारी बारिश के कारण चन्द्रभागा नदी के तट पर बनी दीवार के गिरने से बुधवार को छह लोगों की मौत हो गयी। बुधवार को मुंबई, ठाणे, पुणे, सोलापुर और कोल्हापुर सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में हुई भारी बारिश से कई जगहों पर जलजमाव और कहीं-कहीं बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गयी थी। राज्य में बाढ़ के हालात की समीक्षा के लिए मंत्रालय में आयोजित बैठक के दौरान पवार ने पंढरपुर घटना की जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने का निर्देश दिया।

(पृष्ठ 1 का शेष)

विवेक ओबेरॉय के घर पर छापेमारी

सूत्रों के मुताबिक, पुलिस को शक है कि भाई को फरार कराने में विवेक की पत्नी ने मदद की है। आदित्य करीब एक महीने से फरार है। अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने इस मामले में प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि एक लॉबी है जो अपनी ताकत का इस्तेमाल लोगों को परेशान करने के लिए करती है। मैं भी उसी का शिकार हूं। आदित्य कर्नाटक के पूर्व मंत्री जीवराज अल्वा के बेटे हैं। उन पर कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के कलाकारों को कथित तौर पर ड्रग्स सप्लाई करने का आरोप है। इस केस में क्राइम ब्रांच की टीम कन्नड़ अभिनेत्री रागिनी द्विवेदी सहित 10 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस अधिकारी ने बताया, सैंडलवुड ड्रग्स केस में आदित्य अल्वा फरार है। हमें जानकारी मिली है कि अल्वा विवेक ओबेरॉय के घर में छुपा है। उन्हें ढूंढ़ने के लिए यह छापेमारी हुई। मामले में कोर्ट से वारंट लिया गया है। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम बेंगलुरु से मुंबई पहुंची। मामले में 4 सितंबर को रागिनी को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उसका पहला डोप टेस्ट कराया गया। जहां उन्होंने सैम्पल के साथ छेड़खानी करने का प्रयास किया। रागिनी के अलावा कन्नड़ अभिनेत्री संजना गलरानी को भी गिरफ्तार किया गया।

नहीं रहीं 'गांधी' की कॉस्ट्यूम डिजाइनर

लेकिन 2012 में भानु ने यह अवॉर्ड एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंस को वापस कर दिया था। इसके पीछे वजह उसकी सुरक्षा थी। 5 दशक के अपने फिल्मी कॅरियर में भानु ने दो नेशनल अवॉर्ड्स भी जीते थे। पहला गुलजार की फिल्म लेकिन के लिए 1990 में और दूसरा लगान के लिए 2001 में। रिचर्ड ने एक इंटरव्यू में कहा था- मुझे अपनी ड्रीम फिल्म गांधी बनाने में 17 साल लग गए थे। लेकिन महज 15 मिनट में मेरे दिमाग ने यह फाइनल कर लिया था कि फिल्म में कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग भानु ही करेंगी। 55वें ऑस्कर अवॉर्ड 11 अप्रैल 1983 को ऑर्गनाइज हुए थे। भानु के ऑस्कर जीतने के करीब 26 साल बाद भारत की झोली में दूसरा ऑस्कर म्यूजिक डायरेक्टर एआर रहमान लेकर आए।

मुंबई में 2.40 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त

उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना पर एएनसी की घाटकोपर इकाई ने धारावी के रोड पर जाल बिछाया और शेख को पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान अधिकारियों को उसके पास से 1.2 किलोग्राम हेरोइन मिली जिसकी कीमत 2.40 करोड़ रुपये है। वह अपने ग्राहकों को बेचने के लिए इस नशीले पदार्थ को ले जा रहा था। अधिकारी ने बताया कि एएनसी आरोपी को 2018 में भी मादक पदार्थ रखने के आरोप में गिरफ्तार कर चुकी है। उसके खिलाफ एनडीपीएस कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है।

'मुंबई से बॉलीवुड को खत्म किया तो बर्दाश्त नहीं करेंगे'

बॉलीवुड और सिनेमा बड़ी संख्या में लोगों के लिए रोजगार पैदा करते हैं। उन्होंने आगे कहा, बॉलीवुड अपने सिनेमा के लिए दुनियाभर में बहुत प्रसिद्ध है और हॉलीवुड फिल्मों की तरह ही शानदार तथा अच्छी फिल्में बनाता है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से यह देखा गया है कि एक निश्चित वर्ग के लोग इसे बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और कष्टपूर्ण है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को मल्टीप्लेक्स और सिनेमा थिएटर मालिकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान यह टिप्पणी की। साथ ही मुख्यमंत्री ठाकरे ने सिनेमा मालिकों यह आश्वासन भी दिया कि राज्य सरकार जल्द ही मल्टीप्लेक्स और सिनेमाघरों को फिर से खोलने के लिए एसओपी पर काम कर रही है। इस बीच कोरोना संकट की वजह से देशभर के सिनेमाहॉल मार्च से ही बंद थे, लेकिन एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लिए आज गुरुवार का दिन खास रहा, क्योंकि करीब सात महीने बाद फिर देश के ज्यादातर थिएटर खुल गए। हालांकि थिएटर खुलने के बावजूद भी फिल्म मेकर्स कोई भी बड़ी फिल्म कोरोना काल में रिलीज करना नहीं चाहते हैं।

सर्दियों में कोरोना से लड़ने की तैयारी

स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुरू की एक लाख टन आक्सीजन के आयात की प्रक्रिया

■ नई दिल्ली (संवाददाता

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सर्दियों के मौसम में कोविड-19 के मामले वढ़ने की आशंका के मद्देनजर अपनी तैयारियों के तहत तरल आक्सीजन का आयात करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है ताकि उस समय इसकी किसी तरह की कमी न हो। यह गैस केंद्र व राज्य सरकार के विभिन्न अस्तपालों को मुहैया कराई जाएगी।

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम एचएलएल लाइफकेयर लि. ने एक लाख मीट्रिक टन तरल आक्सीजन की खरीद के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से वुधवार को एक वैश्विक निविदा जारी की। सूत्रों ने वताया कि आक्सीजन, केंद्र और राज्य सरकार के तहत आने वाले विभिन्न अस्पतालों के लिये खरीदी जा रही है। आयात की पूरी कवायद और फिर मेडिकल आक्सीजन का वितरण करने में 600-700 करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान है।

मंत्रालय के अनुसार मंगलवार तक कोविड-19 के करीव 3.97 फीसद मरीज आक्सीजन सहायता पर थे, 2.46 फीसद मरीज आईसीयू वेड पर और आक्सीजन सहायता पर थे तथा 0.40 फीसद मरीज वेंटिलेटर सहायता पर थे। सूत्रों ने वताया कि देश में मार्च में लॉकडाउन लागू होने से पहले देश में प्रतिदिन आक्सीजन उत्पादन की क्षमता करीव 6,400 मीट्रिक टन थी जिनमें से प्रतिदिन करीव 1,000 मीट्रिक टन का उपयोग मेडिकल उद्देश्यों में होता था जवकि शेष का उपयोग उद्योगों द्वारा किया जाता था। सूत्रों ने वताया कि लॉकडाउन हटाए जाने की प्रक्रिया शुरू होने के वाद उद्योग खुल गए और 30 सितम्वर की तारीख में देश की प्रतिदिन की आक्सीजन उत्पादन क्षमता करीव 7,000 मीट्रिक टन थी। इसमें से करीव 3,094 मीट्रिक टन का उपयोग कोविड और गैर कोविड मरीजों के लिए किया जा रहा है, यह मांग पूरी करने के लिये पर्याप्त है।

■ खरीद के लिए एचएलएल की ओर से जारी की गई वैश्विक निविदा

■ केंद्र व राज्य सरकार के विभिन्न अस्पतालों को मुहैया कराई जाएगी

संक्रमण की रफ्तार घटी

नई दिल्ली (संवाददाता)। देश में कोरोना के 63,509 नए मामले सामने आने के साथ ही संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 72,39,389 हो गए। राहत की वात यह है कि बीमारी से ठीक होने वाले लोगों की संख्या 63 लाख से अधिक हो चुकी है और मरीजों के ठीक होने की दर 87.05 फीसद पर पहुंच गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने वुधवार को वताया कि 24 घंटे की अवधि में वीमारी से 730 और मरीजों की मौत हो गई। इसके साथ ही देश में महामारी से मरने वालों की कुल संख्या 1,10,586 पर पहुंच गई है। लगातार छह दिनों से कोरोना के उपचाराधीन मरीजों की संख्या नौ लाख के नीचे है। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 8,26,876 है जो कुल मामलों का 11.42 फीसद है जवकि अव तक इस वीमारी से ठीक हुए लोगों की संख्या वढ़कर 63,01,927 हो गई है।

कोविड-19

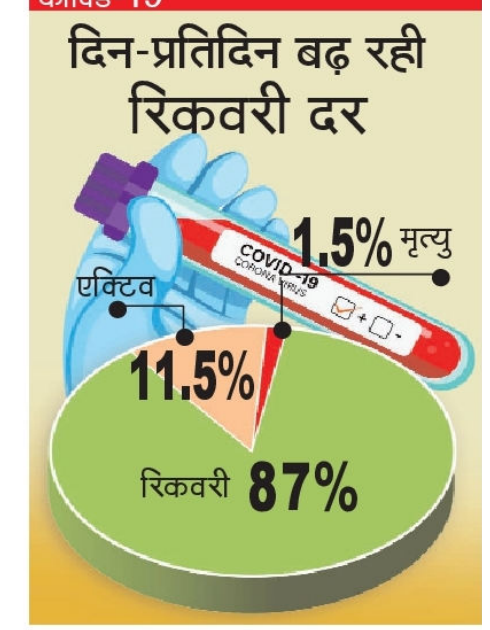

20 राज्यों में संक्रमण दर औसत से नीचे

मंत्रालय ने कहा कि देशभर में लगातार बड़ी संख्या में जांच के कारण भी कोविड-19 मामलों को राष्ट्रीय स्तर पर कम करने में मदद मिली है। यह इस बात का संकेत देता है कि संक्रमण के प्रसार को प्रभावी तरह से नियंत्रित किया जा रहा है। इसने कहा कि 20 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में संक्रमण के मामलों की दर राष्ट्रीय औसत से कम है। संक्रमण के मामलों की दर 8.04 फीसद है। इसमें लगातार कमी आ रही है। भारत में हाल के दिनों में संक्रमण से ठीक होने के मामले नए मामलों की तुलना में अधिक हैं।

370 की वापसी के लिए कश्मीर में नया गठबंधन

नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और कांग्रेस समेत 7 प्रमुख दलों ने पीपुल्स अलायंस बनाया

संवाददाता

श्रीनगर। गुपकार डिक्लेरेशन पर दस्तखत करने वाले राजनीतिक दलों ने कश्मीर में नए गठबंधन का ऐलान किया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के चीफ फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को अपने गुपकार रोड स्थित आवास पर इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि गठबंधन का मकसद जम्मू-कश्मीर में 5 अगस्त 2019 से पहले की स्थिति बहाल करना है यानी अनुच्छेद 370 की वापसी। पिछले साल पीडीपी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस, माकपा, जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, पैंथर्स पार्टी और जम्मू-कश्मीर अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस समेत कई पार्टियों ने गुपकार डिक्लेरेशन पर दस्तखत किए थे। ये डिक्लेरेशन विशेष दर्जा वापस दिए जाने और राज्य का संविधान लागू किए जाने के लिए हुआ था।

मिलकर चुनाव लड़ सकता है अलायंस

फारूक ने कहा, हमने इस अलायंस का नाम पीपुल्स अलायंस रखा है। कानूनी दायरे में रहकर ये गठबंधन जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा वापस दिए जाने की संवैधानिक लड़ाई लड़ेगा। हम चाहते हैं कि केंद्र सरकार हमारी जनता को वो अधिकार वापस करे, जो 5 अगस्त 2019 से पहले मिले हुए थे। माना जा रहा है कि विधानसभा वाले केंद्र शासित प्रदेश बन चुके जम्मू-कश्मीर में अगर चुनाव का ऐलान होता है तो ये सभी दल मिलकर चुनाव लड़ेंगे।

नवंबर 2018 में गठबंधन हुआ था

इससे पहले नवंबर 2018 में पीडीपी की अगुआई में गठबंधन बना था। इसमें नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस भी शामिल थे। दरअसल, करीब तीन साल से सरकार चला रही पीडीपी और भाजपा के बीच जून 2018 में गठबंधन टूटा था। 5 महीने बाद तब के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने विधानसभा भी भंग कर दी थी। लेकिन, राज्यपाल के इस फैसले से आधे घंटे पहले पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने राज्यपाल को भेजी चिट्ठी में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के समर्थन की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि उनके साथ 56 विधायक हैं, लेकिन राजभवन का कहना था कि महबूबा का फैक्स हमें रिसीव ही नहीं हुआ।

भाजपा विधायक के करीबी ने पुलिस अफसरों और एसडीएम के सामने युवक के सीने में 4 गोलियां मारीं

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया में गुरुवार को पुलिस अधिकारियों और एसडीएम के सामने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मामला दुर्जनपुर के बैरिया का है। यहां कोटे की दो दुकानों का विवाद सुलझाने के लिए सीओ चंद्रकेश सिंह, बीडीओ बैरिया गजेंद्र प्रताप सिंह और एसडीएम सुरेश पाल पहुंचे थे। विवाद धीरेंद्र सिंह और जयप्रकाश उर्फ गामा पाल के बीच था। पुलिस के मुताबिक, धीरेंद्र ने जयप्रकाश के सीने में 4 गोलियां मार दीं और फरार हो गया। धीरेंद्र बैरिया के भाजपा विधायक सुरेंद्र सिंह का करीबी बताया जा रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस घटना का वीडियो ट्वीट किया है और घटना की निंदा की है। आजमगढ़ डीआईजी सुभाष चंद दुबे घटनास्थल पहुंच गए हैं। इस बीच, बलिया पुलिस अधीक्षक को घटनास्थल पर ही रहने का निर्देश दिया गया है। जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होगी, तब तक बलिया के एसपी मौके पर ही रहेंगे। इस बीच, मौके पर भारी संख्या में पुलिस व पीएसी बल तैनात किया गया है। गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। आरोपियों की अभी तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। इस मामले में 8 नामजद और 25 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। एसीएस अविनाश के. अवस्थी ने बताया कि बलिया में हुई घटना के मामले में मुख्यमंत्री ने एसडीएम समेत वहां मौजूद पुलिसकर्मी और अधिकारी को सस्पेंड करने के आदेश दिए हैं। दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विवाद सुलझाने के लिए पंचायत हुई, अधिकारी भी पहुंचे थे

ग्राम सभा दुर्जनपुर व हनुमानगंज की कोटे की दो दुकानों के कोटे के लिए पंचायत भवन पर बैठक बुलाई गई थी। एसडीएम बैरिया सुरेश पाल, सीओ बैरिया चंद्रकेश सिंह, बीडीओ बैरिया गजेंद्र प्रताप सिंह के साथ ही रेवती थाने की पुलिस फोर्स मौजूद थी। दुकानों के लिये 4 स्वयं सहायता समूहों ने आवेदन किया था। दुर्जनपुर की दुकान के लिए दो समूहों के बीच मतदान कराने का निर्णय लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि वोटिंग वही करेगा, जिसके पास आधार या कोई दूसरा पहचान पत्र होगा। एक पक्ष के पास कोई आईडी प्रूफ नहीं था। इसको लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। विवाद के दौरान लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चलने लगे। एक पक्ष ने फायरिंग शुरू कर दी। दुर्जनपुर के जयप्रकाश उर्फ गामा पाल को धीरेंद्र ने ताबड़तोड़ चार गोलियां मार दीं।

डब्ल्यूएचओ ने कहा- युवा और स्वस्थ्य लोगों को 2022 से पहले कोविड-19 की वैक्सीन नहीं मिल सकती

वॉशिंगटन। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि साल 2022 तक दुनिया के युवाओं और स्वस्थ्य लोगों को कोविड-19 की वैक्सीन नहीं मिल सकती है। ऐसे लोगों को तब तक इंतजार करना होगा। डब्ल्यूएचओ के चीफ साइंटिस्ट सौम्य स्वामीनाथन ने गुरुवार को इसके बारे में जानकारी दी। कहा, 2021 तक कम से कम एक इफेक्टिव वैक्सीन मिलने की उम्मीद है। हालांकि यह सीमित संख्या में होगी। इसलिए केवल उन्हीं लोगों तक पहुंच सकती है जिन्हें इसकी ज्यादा जरूरत होगी। इसमें स्वास्थ्य कर्मी और हाई रिस्क वाले लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी। इस बीच, जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने बुधवार को माना कि देश में संक्रमण की वजह से हालात गंभीर हो चुके हैं। सरकार सख्त कदम उठाने की तैयारी कर रही है। दूसरी तरफ, पेरिस में कर्फ्यू लगा दिया गया है। फ्रांस सरकार ने इस बारे में पहले ही आगाह कर दिया था।

जदयू के रवैये पर चिराग: लोजपा चीफ बोले- मेरे पिता के साथ नीतीश का बर्ताव घमंड भरा था, लोकसभा में जदयू ने हमारे खिलाफ काम किया

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के अध्यक्ष चिराग पासवान (37) ने गुरुवार को बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव में जदयू से मतभेद सीटों के बंटवारे को लेकर हुआ। उन्होंने कहा कि जदयू ने दलित वर्ग को नुकसान पहुंचाने के लिए एक दूसरा वर्ग महादलित बना दिया है। चिराग ने कहा कि पिता रामविलास पासवान के साथ नीतीश का बर्ताव घमंड भरा था। चिराग ने कहा- पिछले साल हमने जदयू के साथ गठबंधन में लोकसभा का चुनाव लड़ा था। नीतीश एनडीए में वापस लौटे थे और इसलिए ऐसा करना जरूरी था। पर नीतीश की पार्टी ने लोकसभा चुनाव में लोजपा प्रत्याशियों के खिलाफ काम किया और गठबंधन धर्म का पालन नहीं किया। चिराग ने कहा कि पिछले साल राज्यसभा के नामांकन के दौरान मेरे पिता रामविलास ने नीतीश को बुलाया था। लेकिन, इस दौरान उनका व्यवहार काफी घमंड भरा था। उन्होंने बताया कि हाल के वक्त में मैं गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ कई बार मिला। एक बार भी सीट शेयरिंग का मुद्दा नहीं उठा। लोजपा कभी भी नीतीश की राजनीति की प्रशंसक नहीं रही। अपने राजनीतिक फायदे के लिए उन्होंने महादलित वर्ग बनाकर दलितों का नुकसान किया। लोजपा चीफ ने कहा, नीतीश कुमार ने मेरे पिता के लिए चिढ़ाने वाला बयान दिया था कि लोजपा के पास केवल 2 विधायक हैं और ऐसे में राज्यसभा जाने के लिए रामविलास के लिए जदयू का समर्थन जरूरी है। मैं याद दिला दूं कि अमित शाह ने खुद मेरे पिता को एक राज्यसभा सीट देने का वादा किया था। और, उस वक्त मैंने काफी छोटा महसूस किया था, जब राज्यसभा नॉमिनेशन के दौरान नीतीश ने मेरे पिता के साथ घमंड भरा व्यवहार किया था। नीतीश नॉमिनेशन के लिए तय किया गया मुहूर्त निकल जाने के बाद पहुंचे थे। कोई भी बेटा इस तरह का नीचा दिखाने वाला व्यवहार स्वीकार नहीं कर सकता।

बुलढाणा हलचल

मलकापुर तालुका के पिंपळखुटा में लड़की के अनैतिक संबंध से मां और दो बेटियों का ट्रिपल मर्डर आया सामने

बुलढाणा। इसके बारे में अधिक जानकारी यह है कि पुलिस पाटिल शेषरात शालिग्राम उमाळे राव रहीवासी पिंपळखुटा बोरखेड़ी ता द्वारा मोतला पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार, शकर बक माळ्ठाने ने अपने परिवार के साथ गाँव में रहता है। शंकर मालठाने की पत्नी सुमनबाई शंकर माळ्ठाने (उम्र 55) पती के मरने बेटी राधा (उम्र 28) पिछ्ले 8 से 10 साल से अपने माता-पिता के साथ रहने के लिए आई थीं और तलाक होने के कारण शारदा (उम्र 25) ये दोनो लडकीया अपने माता पिता के साथ रहे ते थे। लेकिन राधा के अनैतिक संबंध को लेकर गाँव में चर्चा थी। अनैतिक संबंध के कारण वह 5 महीने की गर्भवती होने के कारण उसके अनैतिक संबंध से उसकी माँ की हत्या की गई। राधा और शारदा दोनों के लापता होने की

भी तक्रार दी। इस मे सुमनबाई और दोनों लडकिया राधा व शार्दा ये १४ ऑक्टोबर दुपेहर ३ बजे घर से लापता थे। इनमें से सुमनबाई मालठाणे का शव सुब्हा ६ बजे परिसर के रामेश्वर पंढरी माळ्ठाने के खेत में पानी के एक कुंड में मिला। इस शिकायत के आधार पर, बोरखेड़ी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आज, जिला पुलिस अधीक्षक अरविंद चावरिया, उप-विभागीय पुलिस अधिकारी वारकते, एलसीबी पीओ एन। महेंद्र देशमुख, बोरखेड़ी पो.टे. थानेदार माधवराव गरुड़ द्वारा, उन्होंने घटनास्थल का दौरा कर और क्षेत्र का निरीक्षण किया। जाचं के लिए फिंगर प्रिंट की एक टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया। पुलिस ने तिहरे हत्याकांड के मामले में दादराव अंबदास म्हैसागर को गांव से गिरफ्तार किया है। उसने पुलिस को बताया कि दोनों लापता बहनों को गोदावरी रामभाऊ लांडे के खेत में एक कुएं में मार कर फेंक दीया। पुलिस ने आज सुबह ग्रामीणों की मदद से कुएं से राधा और शारदा के शव बरामद किए। दोनों के शवों को शवविच्छेदन करने के लिए बुलडाणा जिल्हा सामान्य रुग्णालय भेजा गया। आगे की जांच बोरखेडी पुलिस इंस्पेक्टर माधवरात गरुड कर रहे है।

मौजूदा शासन से मोहभंग, आम आदमी पार्टी बुलढाणा नगर परिषद चुनाव लड़ेगी

बुलढाणा। बुलढाणा शहर सुसंस्कृत, वैचारिक और जागरूक नागरिकों का शहर है और इस शहर के नागरिकों ने सभी को अवसर दिया। लेकिन जनता के नेताओं ने हमेशा लोगों को घृणा की है। लोग वर्तमान शासन के भ्रष्टाचार, अनियोजित प्रशासन और मौजूदा करों से तंग आ चुके हैं। इसलिए, आम आदमी पार्टी ने बुलंदाना नगर परिषद चुनाव लड़ने का फैसला किया है, अपने जिला समन्वयक प्रशांत मोर को सूचित किया है ।उपरोक्त घोषणा करने के लिए उन्होंने यहां पत्रकार भवन में दोपहर 1 बजे एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया। इस समय एड। आपके पदाधिकारी जैसे दीपक मापरी, सुनील मोरे, विष्णु दंडगे, शेख रहीम, भगवान अव्सरमोल, प्रसाद घेवंडे, हनुमत भलेराव आदि उपस्थित थे। इस समय सदस्य पंजीकरण और 'आपका शहर आपकी आवाज' अभियान शुरू किया गया। बुलडाना वासीयों को आम आदमी पार्टी को एक ईमानदार

अवसर देना चाहिए और नागरिक उस अवसर को देंगे ऐसा विश्वास को मोरे ने व्यक्त कियाहै। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने अपनी दैनिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की कोशिश की। वे बहुत सफल रहे हैं। शिक्षा की गुणवत्ता निजी स्कूलों के लिए कम कर दी गई है, मोहल्ला क्लिनिक की अवधारणा को लागू किया गया है और लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं प्रदान की गई हैं। बुलदाना में, आम आदमी पार्टी शिक्षा, कर, स्वास्थ्य, पानी, भूमिगत सीवरेज, सड़क, स्वच्छता, अतिक्रमण और सूक्ष्म उद्यमों को प्राथमिकता देने, नगर पालिकाओं के डिजिटलाइजेशन, आवास, महिला सुरक्षा, आदि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह लड़ाई आम जनता के खिलाफ लड़ाई की लड़ाई है और जनता जीत जाएगी। उन्होंने अंत में अधिक से अधिक लोगों से आम आदमी पार्टी में शामिल होने की अपील की।

रामपुर हलचल

नगर के अंदर लगने वाला साप्ताहिक मीना बाजार जो ठेकेदार वाली मस्जिद के पास लगा करता उसको नगर पालिका परिषद के माध्यम से झण्डा चौक पर लगाया जाना शुरू कर दिया गया

संवाददाता/नदीम अख़्तर

टाण्डा (रामपुर)। नगर के अन्दर लगने वाला साप्ताहिक मीना बाजार जो ठेकेदार वाली मस्जिद के पास लगा करता उसको नगर पालिका परिषद के माध्यम से झण्डा चौक पर लगाया जाना शुरू कर दिया गया है अतिक्रमण एवं भीड़ भाड़ को देखते हुए इस प्रक्रिया को अपनाया जा रहा है लेकिन दुकानदार स्वामी व उनके आगे फड़ो को लगाया जा रहा है सोशल डिस्टेंसिग का भी पालन नहीं किया जा रहा है अनिर मित्ताओं को देखते हुए मीना बाजार के अन्दर लगने वाले मार्ग आदि दुकानों के सामने अतिक्रमण को बढ़ावा दिया जा रहा है इसी को देखते हुए न० पा० प० व पुलिस के सहयोग के चलते अतिक्रमण भीड़ भाड़ आदि को नियन्त्रण करने के उद्देश्य से प्लान तैयार कर अभियान चलाया गया कुछ दुकानदारों से जुर्माना आदि भी वसूला गया है इसी के मद्देनजर मीना बाजार में काफी हड़कम्प मचा रहा है पुलिस प्रशासन आदि को देखते हुए भीड़ भाड़ भी कम होकर रह गई अभियान के दौरान कोतवाल माधो सिंह विष्ट अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा, धनीराम सैनी, डाल चन्द, फारूक अक्खू, नरेश, सुदेश, दिनेश, फैजान फैज,व अन्य भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

अपना दल एस के समर्थन में मोहम्मद वकील एडवोकेट ने पार्टी में जवाइन करने के उद्देश्य से मीटिंग के आयोजन में भाग लिया

टाण्डा (रामपुर)। अपना दल एस के समर्थन में मोहम्मद वकील एडवोकेट ने पार्टी में जवाइन करने के उद्देश्य से बड़ी मात्रा में अपने सहयोगियों को साथ लेकर अपना दल एस की जिला संगठन की एक मीटिंग के आयोजन मे भाग लिया जिसकी अध्यक्षता चौधरी धनवीर सिंह संधू ने अपने सम्बोधन में कहा स्वार टाण्डा उपचुनाव में वी जे पी पांच बार पराजित हो चुकी हैं मुस्लिम समाज के लोगों से अपील करते हुए कहा कि अपना दल का प्रत्याशी मुस्लिम बहूलय वोट हासिल कर अपनी जीत हासिल कर सकता है इस दौरान चौधरी धनवीर सिंह मो० वकील एड०, हाजी बाबू, हाजी मारूफ, हाजी रियासत अली, अहमद नबी सैफी, अब्दुल सबूर, मुल्ला अतीक,डा० कुददूस,मो० रफी,डा० टीकाराम कश्यप, जीवेंद्र गंगवार, मास्टर नजाकत अली, कारी मुशाहिद, कलुआ, तौफीक, नवीन गुप्ता,कमल सिंह, आसिफ अली,अशरफ अली,मास्टर अकील अध्यक्ष सलमानी, आदि ने सदस्यता हासिल की एवं सभा में भाग लिया गया।

पालिकाध्यक्ष मेहनाज जहां पति मकसूद लाला ने जिलाधिकारी को एक पत्र प्रस्तुत किया

टाण्डा (रामपुर)। पालिकाध्यक्ष मेहनाज जहां पति मकसूद लाला जी ने जिलाधिकारी को एक पत्र प्रस्तुत करते हुए लालपुर पुल पर स्थाई पुल जो राहगीरों की आवागमन की सुविधा के लिए बनाया गया है उक्त मार्ग की स्थिति अत्यन्त क्षीण होकर रह गई है उतरने व चढ़ने वाले रास्ते पर काफी गहरे गडढे एवं खांसी भरी धूल उत्पन्न होकर रह गई हैं रास्ते में अधिक धूल होने के कारण गहरे गडढे वाहन स्वामियों को दिखाई नहीं देते हैं उन गडढो से हादसा होने का खतरा मंडराता रहता है लालपुर पुल की स्थाई जटिल समस्या का समाधान करने के इरादे से एक पत्र जिलाधिकारी को देकर मांग की गई है।

जिलाधिकारी को पत्र प्रस्तुत कर शीघ्र कार्यवाही किये जाने की मांग की गई

टाण्डा (रामपुर)। भारतीय जनता पार्टी के नगर ध्यक्ष जाकिर अली अन्सारी ने जिलाधिकारी को एक पत्र प्रस्तुत करते हुए कहा कि मौहल्ला चक स्वार उत्तरी वार्ड न०2 में इंटर लाकिगं एवं सड़क का निर्माण कार्य न० पा० प० द्रारा कराया जा रहा है जिसमें नाली निर्माण भी किया जा रहा है बिना बेस एवं पत्थर के सड़क पर रेता बिछा कर इण्टर लाकिंग एवं ईट बिछाई जा रही है उक्त शिकायत आदि को लेकर ठेकेदार आदि से सम्पर्क साधा गया तब खरी खौटी सुनाकर धम काया गया स्टीमेट के अनुसार कार्य न कराकर खाना पूरी की जा रही है जिलाधिकारी को पत्र प्रस्तुत कर शीघ्र कार्यवाही किये जाने की मांग की गई है पत्र पर नगर ध्यक्ष के हस्ताक्षर मौजूद हैं।

समस्तीपुर हलचल

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में बेरोजगार महिलाओं को सिलाई कढ़ाई का 30 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में महिलाओं को सिलाई, कढ़ाई, के लिए 30 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभ आरम्भ यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्र प्रमुख श्री धर्मेन्द्र रौजोरिया उप प्रमुख श्री जितेन्द्र चौधरी एवं अग्रणी जिला प्रबंधक श्री पी०के० सिंह के द्वारा की गई। इस प्रशिक्षिण शिविर को संबोधन क्षेत्र प्रमुख श्री धर्मेंद्र राजोरिया द्वार किया गया, उन्होंने इस प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित सभी प्रशिक्षिण कर्ती को विस्तृत जानकारी दी एवं उनके सफल भविष्य की कामना करते हुए बैंक से हर संभव मदद मिलने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर आर०से०टी निदेशक श्री के०सी मल्लिक ने सभी सहभागियों को विस्तृत जानकारी दी। इस प्रशक्षिं शिविर में प्रशिक्षिण देने आई श्री मती अलका शर्मा ने सिलाई की गुणवत्ता एवं इसमें केसे अपना भविष्य बना सकते है उसकी विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर आर०से०टी के फकेल्टी श्री श्रवण कुमार झा एवं अलका शर्मा ने आर०से०टी के नियमो एवं शर्तों कि भी विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक श्री पी०के० सिंह ने महिलाओं के लिए विभिन्न योजनाओं की चर्चा की एवं उन्होंने इन योजनाओं के लिए ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बैंको से आग्रह किया। इस मौके पर ट्रेनिंग कर रही रीना कुमारी, चंदा कुमारी, माला शर्मा, ज्योति कुमारी, डेजी कुमारी, आरती कुमारी, मौजूद थीं।

वाहन चेकिंग के दौरान दो युवतियों ने जमकर किया हंगामा, पुलिस ने काटा गाड़ी का चालान

समस्तीपुर। विधानसभा चुनाव को लेकर शांतिपूर्ण मतदान कराने को लेकर जिले में पुलिस द्वारा जगह जगह वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज शहर के पटेल गोलम्बर के नजदीक उस समय हंगामा खड़ा हो गया जब पुलिसकर्मियों ने स्कूटी सवार दो युवतियों को चेकिंग के लिए रोका। पुलिस के रोके जाने से भड़की युवतियों ने जमकर बबाल काटा और महिला पुलिसकर्मी के साथ हाथापाई की। इतना ही नही, उसने पुलिस पर ही बदसलूकी का भी आरोप जड़ दिया। दरअसल, नगर थाने की पुलिस पटेल गोलम्बर पर बैरिकेडिंग कर आने-जाने वाले वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी बीच एक बाइक पर सवार दो युवती आती दिखी तो पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया। पुलिस ने लड़कियों से कागजात मांगेऔर हेलमेट नहीं लगाने को लेकर सुरक्षा सम्बन्धी ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी। यह बात बाइक चला रही लड़की को इतना नागवार गुजरी कि, उसने पुलिसकर्मी पर चिकने चिल्लाने लगी और हंगामा खड़ा कर दिया। जिससे सड़क पर जाम लग गयी। बीच सड़क करीब आधे घंटे तक युवती का हाईवोल्टेज ड्रामा चलता रहा। इस बीच महिला पुलिसकर्मी पिंकी कुमारी ने बताया कि बिना हेलमेटके बाइक ड्राइव करने और ट्रैफिक नियमों को तोड़ने का चालान कर उसे जाने दिया गया।

मधुबनी हलचल

अब्दुल बारी सिद्दीकी 17 अक्टूबर को दरभंगा पहुंचेंगे और 19 अक्टूबर को केवटी से अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे

संबाददाता/मो सालिम आजाद

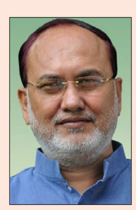

मधुबनी। राजद के वरिष्ठ नेता अली नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक और पूर्व मंत्री अब्दुल बारी सिद्दीकी ने इस बार दरभंगा के 86-केवटी विधानसभा से चुनाव लड़ने का फैसला किया है। अब्दुल बारी सिद्दीकी की न केवल मिथलांचल बल्कि बिहार में एक अलग पहचान है, यही कारण है कि दरभंगा के लोग केवटी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के उनके फैसले का स्वागत कर रहे हैं। जबकि इस केवटी के लोगों ने नारा दिया था कि 'केवटी का बेटा ही हमारा नेता होना चाहिए' लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब जब गार्जियन मैदान में उतरे हैं, लोगों ने गार्जियन के समर्थन की घोषणा की है। अब केवटी के लोगों ने भी अब्दुल बारी सिद्दीकी को सदन में भेजने का फैसला कर लिया है। अब्दुल बारी सिद्दीकी 17 अक्टूबर को दरभंगा पहुंचेंगे। बिठौली चौक पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया जाएगा। अब्दुल बारी सिद्दीकी 19 अक्टूबर को केवटी विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। उपरोक्त जानकारी राजद नेता सोनू यादव ने मीडिया को दी है।

बच्चों को ट्यूशन भेजने से पहले रखें इन बातों का ख्याल

बच्चे का ख्याल रखना मां-बाप दोनों की जिम्मेदारी है फिर चाहे बच्चे कितने भी बड़े क्यों न हो जाएं। करियर बनाने के लिए और अच्छी पढ़ाई के लिए बच्चों को ट्यूशन पर भी भेजना पड़ता है लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल भी नहीं कि आप बेफिक्र हो जाएं। जब आप अपनी बेटी को कोचिंग के लिए किसी के पास भेजे तो इन बातों का खास ख्याल रखें...

- *जिसके पास आपकी बेटी पढ़ने जा रही है,उसके बारे में पूरी जानकारी हासिल करें। वो कहां रहता है और उसका चरित्र कैसा है।*
- *उसके ट्यूशन का टाइम दिन का ही रखें।*
- *इस बात का खास ख्याल रखें कि जिस वक्त बेटी पढ़ने जा रही हैं,वहां पर और कितने स्टूडेंट हैं।*
- *उसकी कोचिंग का टाइम बाकी स्टूडेंटस के साथ ही रखें। अकेले में पढ़ने के लिए न भेजें।*
- *यह बात याद रखें कि आपकी बेटी पढ़ने जा रही हैं न की पार्टी पर इसलिए उसे भड़कीले और शार्ट कपड़ें पहना कर न जाने दें।*
- *उसे ज्यादा मेकअप करके जाने से मना करें।*
- *बच्चा अगर पढ़ने में होशियार है और पढ़ाई मन लगा कर कर रहा हैं तो उसे ट्यूशन भेजने की जिद न करें।*

अंगूठा चूसने की आदत से एलर्जी होती है दूर

घर में छोटा बच्चा हो तो उसका बहुत ध्यान रखा जाता है कि कहीं वो कोई चीज जमीन से उठा कर मुंह में न डाल ले,नाखून न चबाए या फिर अंगूठा न चूसे। मां को हर वक्त यही फिक्र लगा रहता है कि ऐसा करने पर उसका बच्चा बीमार पड़ जाएगा। क्या आप जानते हैं कि अगर बच्चे को इन में से कोई आदत है तो वो बीमारियों से बचा जा सकता है जी हां एक शोध के मुताबिक अंगूठा चूसने से बच्चे की सेहत बिगड़ने की बजाए सुधर जाएगी। इस शोध के मुताबिक नाखून चबाने से जो गंदगी शरीर में जाती है, उसमें मौजूद तत्व शरीर की कई बीमारियों से लड़ने के काम करते हैं। इससे कई तरह की एलर्जी से बचा जा सकता है। इसके लिए यह भी जरूरी नहीं कि बच्चे को मिट्टी खाने से बिल्कुल भी न रोका जाए। एलर्जी कई तरह की हो सकती है किसी को परफ्यूम,फूलों,धूल मिट्टी,मसालों या मूंगफली से भी हो सकती है। जिन लोगों को बचपन में अंगूठा चूसने की आदत थी वो किसी भी तरह की एलर्जी से बचे रहते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि बच्चों में यह आदत जान बूझ कर डाली जाए या उन्हें इससे रोका न जाए।

सर्दियों में हरा धनिया खाने के फायदे...

धनिये का सिर्फ स्वाद ही बेहतरीन नही होता बल्कि ये एक औषधीय पौधा भी है जो कई गुणों से युक्त है। सर्दियों में हर किसी की रसोई में पकने वाले व्यंजन में हरा धनिया डाला जाता है। खाने का स्वाद बढ़ाने के लिये भोजन के साथ में हरे धनिये की चटपटी चटनी भी बनायी जाती है। आपके घर में भी ऐसा ही होता है न और हो भी क्यों नही धनिया हर व्यंजन को लज्जतदार तो बनाता ही है साथ में उसे सुंदरता भी प्रदान करता है। धनिये का सिर्फ स्वाद ही बेहतरीन नही होता बल्कि ये एक औषधीय पौधा भी है जो कई गुणों से युक्त है। इसके सेवन से कई रोगों से छुटकारा मिल सकता है। इसमें प्रोटीन, वसा, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, मिनरल आदि होता है। इसके अलावा हरे धनिया में कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, कैरोटीन, थियामीन, पोटोशियम और विटामिन सी भी पाया जाता हैं।आपको बता दें कि धनिया का इस्तेमाल कर इस बात का पूरा ध्यान रखना चाहिए कि इसकी पत्तियां अच्छी तरह से साफ की गई हो। अगर इसमें मिट्टी के कण लगे रहेंगे तो आपको कई बीमारियां घेर सकती है। आइए जानते हैं कि धनिया पत्ते का किस तरह से प्रयोग करने से हमें फायदा मिल सकता है?

हरे धनिये के 5 फायदे

ब्लड शुगर पर कंट्रोल

कई रिपोर्ट के कहा गया है कि धनिया में ब्लड शुगर को कंट्रोल करने की क्षमता होती है। धनिया पाउडर, बॉडी से शुगर के स्तर को कम कर देता है और इन्सुलिन की मात्रा को बढ़ाता है। इसी वजह से शरीर में ब्लड शुगर हमेशा कंट्रोल में रहती है।

पाचनशक्ति बढ़ाए

हरा धनिया पेट की समस्याओं का निवारण करता है, यह पाचनशक्ति बढ़ाता है। धनिये के ताजे पत्तों को छाछ में मिलाकर पीने से बदहजमी, मतली, पेचिश और कोलाइटिस में आराम मिलता है। हरा धनिया, हरी मिर्च, कसा हुआ नारियल और अदरक की चटनी बनाकर खाने से अपच केकारण पेट में होने वाले दर्द से आराम मिलता है। पेट में दर्द होने आधा गिलास पानी में दो चम्मच धनिया डालकर पीने से पेट दर्द से राहत मिलती है।

कोलेस्ट्रॉल को कम करता है

हरे धनिये में ऐसे तत्व है जो शरीर से कोलेस्ट्रॉल को कम कर देता है या उसे कंट्रोल में रखता है। अध्ययन के अनुसार, धनिया के बीजों में कोलेस्ट्रॉल को मेंटेन किए रखने के तत्व होते है। अगर कोई व्यक्ति हाई कोलेस्ट्रॉल से ग्रस्त है तो उसे धनिया के बीजों को उबालकर उस पानी को पीना चाहिए।

मुंहासो से छुटकारा

यदि आपके चेहरे पर मुहासें है तो धनिया से आपके राहत मिल सकती है। इसके लिए धनिये की पत्तियों को पीसकर लें। इस पेस्ट में एक चुटकी भर हल्दी पाउडर मिलाकर चेहरे पर दिन में कम से कम 2 बार लगाएं। इससे मुहांसो की समस्या दूर होती है और यह ब्लैकहेड्स को भी हटाता है।

धनिया की पत्तियां, झुर्रियों को दूर भगाती है। इनमें एंटी-ऑक्सीडेंट काफी मात्रा में होता है जिसके चलते इन्हें लगाने से त्वचा में खिचांव आ जाता है। इसे लगाने से चेहरे पर कोई दाग भी नहीं पड़ता है।

आंखों की रोशनी बढ़ाए

रोजाना हरे धनिये का प्रयोग अपने खाने में करने से आंखों की रोशनी बढने लगती है। क्योंकि हरे धनिये में विटामिन ए भरपूर मात्रा में होता है जो आंखों के लिए बहुत आवश्यक होता है।

मोटापा करना है कम तो ठंडे पानी से नहाएं

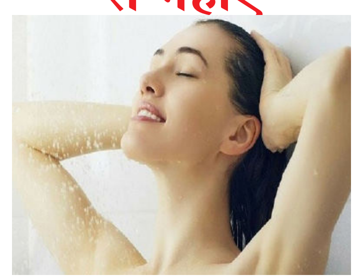

सेहतमंद होना अच्छी बात है लेकिन मोटापा उतनी ही बुरी बात। एक बार वजन बढ़ जाए तो इसे घटाने में बहुत मेहनत करनी पड़ती है। कुछ लोग जिम तो कुछ लोग डायटिंग का सहारा लेते हैं। क्या आप जानते हैं कि ठंडे पानी के साथ नहाने से भी वजन कम किया जा सकता है। बॉडी में दो तरह के फैट होते हैं। एक व्हाइट और दूसरा ब्राऊन। सफेद फैट के कारण शरीर मोटा हो जाता है। बॉडी में चर्बी जमा हो जाती है। ठंड़े पानी के साथ नहाने से शरीर में बढ़ी हुई चर्बी कम हो रही है। आइए जानते हैं इसके फायदों के बारे में...

ठंडे पानी से नहाने के फायदे

- ठंड़े पानी के साथ नहाने से तनाव कम हो जाता है।
- इससे ब्लड सकुर्लेशन बढ़ता है,जिससे चर्बी कम होनी शुरू हो जाती है।
- ठंड़े पानी के साथ नहाने से इम्यून सिस्टम बेहतर हो जाता है।
- मानसिक बीमारी के रोगी को ठंड़े पानी के साथ नहाने से फायदा मिलता है।
- बॉडी का अतिरिक्त फैट कम होना शुरू हो जाता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सुष्मिता सेन बॉयफ्रेंड से कर रही हैं शादी?

सुष्मिता सेन और उनके बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के लिए अक्सर प्यार जताते रहते हैं। सुष्मिता इंस्टाग्राम पर भी रोहमन और अपनी बेटियों के साथ तस्वीरें और वीडियोज पोस्ट करती रहती हैं। सुश रीसेंटली इंस्टा पर लाइव थीं। इस दौरान उनके बॉयफ्रेंड भी साथ थे। इस दौरान कुछ मजेदार बातें हुईं। सुष्मिता ने फैन्स को रोहमन से इंट्रोड्यूस करवाया और कहा, मेरे साथ ये हैंडसम मैन भी है। उनके फैन्स कॉमेंट सेक्शन में खूब प्यार बरसा रहे थे। इसी बीच एक फॉलोअर ने पूछा, आप लोग शादी कर रहे हैं? इस पर सुष्मिता मुस्कुराने लगीं। उन्होंने ये सवाल रोहमन की तरफ बढ़ा दिया। इस पर रोहमन ने जवाब दिया, पूछकर बताते हैं। इस पर सुष्मिता हंसती हैं कि पड़ोसी से पूछकर बताते हैं। बातों-बातों में रोहमन ने बताया कि उनके बाल जबरदस्ती काटे गए हैं। रोहमन और सुष्मिता की उम्र में करीब 15 साल का फर्क है। रोहमन उनसे 15 साल छोटे हैं। सुष्मिता एक इंटरव्यू के दौरान बता चुकी हैं कि पहले रोहमन उनसे उम्र छिपाते थे। सुष्मिता और रोहमन के बीच जान-पहचान सोशल मीडिया मेसेज के जरिये हुई थी। रोहमन ने एक फैन के तौर पर सुष्मिता को मेसेज किया था। उनका जवाब आने पर रोहमन बहुत खुश हुए थे। रोहमन अब सुष्मिता के साथ रह रहे हैं और दोनों के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग है।

करीना ने खत्म की 'लाल सिंह चड्ढा' की शूटिंग

करीना कपूर मैटरनिटी लीव पर जाने से पहले अपने सारे काम निपटाने में जुट गई हैं। फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' का काम भी तेजी से हो रहा है और करीना कपूर खान ने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। करीना ने शूटिंग खत्म होने के बाद सेट से एक तस्वीर भी शेयर की है। करीना सितंबर के आखिरी सप्ताह में शूटिंग के बचे हुए हिस्सों को पूरा करने के लिए दिल्ली रवाना हुईं, जिसे उन्होंने पूरा कर लिया है। करीना ने अपने इंस्टाग्राम पर आमिर खान के साथ फिल्म के सेट की तस्वीर भी शेयर की है। करीना ने इसे शेयर करते हुए लिखा है, और हर सफर का एक अंत होता ही है। आज मैंने फिल्म लाल सिंह चड्ढा की शूटिंग खत्म कर ली है। मुश्किल वक्त। महामारी, मेरी प्रेग्नेंसी, नर्वसनेस...लेकिन किसी भी चीज ने हमारे उस जुनून को रोक नहीं पाया जो हमने सेफ्टी के साथ- साथ शूट किया। इस पोस्ट के साथ करीना ने आमिर खान और फिल्म की टीम का शुक्रिया भी अदा किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीना की प्रेग्नेंसी को ध्यान में रखते हुए शूटिंग के दौरान खास सावधानी और सुरक्षा मानदंडों का सख्ती से पालन किया गया। पिछले साल आमिर ने फिल्म से करीना का फर्स्ट लुक रिलीज किया था, जिसमें बेहद खूबसूरत दिख रही थीं।

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस इस बीमारी के चलते रख रहे हैं एक-दूसरे का ध्यान

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा अकसर अपनी फोटो और वीडियो को लेकर लाइम लाइट में रहती हैं। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि कैसे उन्होंने और निक जोनास ने कोरोना वायरस के दौरान अपना खास ख्याल रखा और फिर उसके बाद इस बीमारी लेकर का एक दूसरे का ध्यान रखते हैं। प्रियंका चोपड़ा ने बताया कि, हम लोग बहुत बहुत ज्यादा ही सुरक्षित रूप से रहे थे, क्योंकि निक को टाइप 1 डायबिटीज और मुझे अस्थमा की समस्या है। इसलिए हम लोग हर चीज को लेकर बहुत सावाधानी बरत रहे थे कि हम किससे मिल रहे हैं और क्या कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा, इस दौरान मैंने ढेर सारा काम किया है तो ऐसे में यह क्वारंटीन मेरे और निक, हम दोनों के लिए ही बहुत कारगर साबित हुआ है। मुझे ट्रैफिक में फंसना उन मीटिंग में जाने की बिल्कुल भी याद नहीं आई।